

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : Political science

Chapter : 9

Chapter Name : भारतीय राजनीति : नए बदलाव

Q1 निम्नलिखित को मिलाएं-

- (अ) सर्वानुमति की राजनीति

1. शाहबानो मामला
- (ब) जाति आधारित दल

2. OBC का उदय
- (स) पर्सनल लॉ और लैंगिक न्याय

3. गठबंधन सरकार
- (द) क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत

4. आर्थिक नीतियों पर समझौता

Answer.

(अ) सर्वानुमति की राजनीति	3. गठबंधन सरकार
(ब) जाति आधारित दल	2. OBC का उदय
(स) पर्सनल लॉ और लैंगिक न्याय	1. शाहबानो मामला
(द) क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत	4. आर्थिक नीतियों पर समझौता

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली

Q2 1989 के बाद की अवधि में भारतीय राजनीति के मुख्य मुद्दे बताएं। इन मुद्दों से राजनीतिक दलों के आपसी जुड़ाव के क्या रूप सामने आए?

Answer. इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण विकास 1989 में हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार थी। 1984 में लोकसभा में 415 सीटों के साथ जीतने वाली पार्टी इस चुनाव में केवल 197 पर सिमट गई थी। इसके तुरंत बाद 1991 में हुए मध्यावधि चुनाव में कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन में सुधार किया और सत्ता में वापस आ गई। लेकिन 1989 के चुनावों को कांग्रेस प्रणाली के अंत के रूप में देखा गया। दूसरा विकास राष्ट्रीय राजनीति में मंडल मुद्दे का उदय था। 1990 में नई राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने मंडल आयोग की एक सिफारिश को लागू करने के बाद कहा कि केंद्र सरकार की नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, विभिन्न सरकारों द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीति ने मौलिक रूप से अलग मोड़ ले लिया। इसे संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम या नए आर्थिक सुधारों की शुरुआत के रूप में जाना जाता है। चौथा, कई घटनाओं ने दिसंबर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया। अंतिम, मई 1991 में राजीव गांधी की हत्या के कारण कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व बदल गया। उनकी हत्या लिट्टे से जुड़ी एक श्रीलंकाई तमिल द्वारा की गयी थी, जब वह तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौर पर थे।

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली

Q3 “गठबंधन की राजनीति के नए युग में, राजनीतिक दल विचारधारा को आधार मानकर गठजोड़ नहीं करते हैं।” इस बयान का समर्थन या विरोध करने के लिए आप क्या तर्क देंगे?

Answer. 1989 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार हुई लेकिन किसी भी पार्टी के लिए बहुमत नहीं था। हालांकि कांग्रेस पार्टी लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन उसके पास स्पष्ट बहुमत नहीं था और इसलिए, उसने विपक्ष में बैठने का फैसला किया। गठबंधन की राजनीति के इस नए युग में पार्टियां विचारधारा के आधार पर नहीं बदल रही हैं, बल्कि वे इसलिए बदली क्योंकि वे सरकार बनाना चाहती थीं और कांग्रेस पार्टी के युग को समाप्त करना चाहती थीं। विचारधारा किसी समय के लिए महत्वपूर्ण भी है क्योंकि 1989 के बाद की पार्टियों में इंदिरा हटाओ की केवल एक विचारधारा है जिसका अर्थ है कि वे कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व वाली सरकार को देश के केंद्र से हटाना चाहते थे। कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व हटाना अन्य दलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली

Q4 आपातकाल के बाद की राजनीति में भाजपा एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभरी। इस दौर में पार्टी के विकास का पता लगाए।

Answer. जनता पार्टी के पतन और उसके टूटने के बाद, जनसंघ के समर्थकों ने 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन किया। शुरू में, भाजपा ने जनसंघ की तुलना में व्यापक राजनीतिक मंच अपनाया। इसने गांधीवादी समाजवाद को अपनी विचारधारा के रूप में अपनाया। लेकिन 1980 और 1984 में हुए चुनावों में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। 1986 के बाद, पार्टी ने हिंदू राष्ट्रवादी तत्व और उसकी विचारधारा पर जोर देना शुरू किया। भाजपा ने हिंदुत्व की राजनीति को आगे बढ़ाया और हिंदुओं को जुटाने की रणनीति अपनाई। 1986 के आसपास के दो घटनाक्रम भाजपा की हिंदुत्व पार्टी के रूप में केंद्रीय राजनीति को बदल गए। पहला, 1985 में शाह बानो मामला था। दूसरा, फरवरी 1986 में फैजाबाद जिला अदालत का आदेश था। अदालत ने आदेश दिया कि

बाबरी मस्जिद परिसर को खोल दिया जाए ताकि हिंदू उस स्थल पर प्रार्थना कर सकें, जिसे वे मंदिर रूप में मानते हैं।

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली

Q5 कांग्रेस के प्रभुत्व में गिरावट के बावजूद कांग्रेस पार्टी देश की राजनीति को प्रभावित करती है। क्या आप सहमत हैं? कारण बताओ।

Answer. 1989 के बाद कांग्रेस के प्रभुत्व में गिरावट के बावजूद, हम स्पष्ट रूप से बाद के दौर में कांग्रेस पार्टी के महत्व को देख सकते हैं। 2004 के चुनावों में, कांग्रेस पार्टी ने भी बड़े पैमाने पर गठबंधन में प्रवेश किया। NDA की हार हुई और कांग्रेस के नेतृत्व में एक नई गठबंधन सरकार बनी, जिसे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सत्ता में आई। इस सरकार को वाम मोर्चा दलों का समर्थन प्राप्त था। 2004 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी का आंशिक पुनरुद्धार भी देखा गया। 1991 के बाद पहली बार इनकी सीटें बढ़ी। हालांकि, 2004 के चुनावों में, कांग्रेस और उसके सहयोगियों तथा भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा मतदान किए गए वोटों के बीच एक नगण्य अंतर था। इस प्रकार सत्तर के दशक से अब तक पार्टी प्रणाली लगभग नाटकीय रूप से बदल गई थी।

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली

Q6 कई लोग सोचते हैं कि सफल लोकतंत्र के लिए दो पार्टी प्रणाली की आवश्यकता होती है। पिछले बीस वर्षों के भारत के अनुभव के आधार पर, भारत की वर्तमान बहु दलीय प्रणाली के क्या फायदे हैं, इस पर एक निबंध लिखें।

Answer. संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश में दो पार्टी हैं, लेकिन भारत में हमारे पास बहु दलीय प्रणाली है जो भारत में एक सफल कदम था। बहु दलीय प्रणाली भारत जैसे देश के लिए फायदेमंद है क्योंकि हमारे पास बहुत बड़ी आबादी है और यहां तक कि यदि लोग दो पार्टी सिस्टम में चयन नहीं करना चाहते हैं, तो उनके पास अन्य विकल्प भी हैं। भारत में कई पार्टियां हैं, कोई भी एक पार्टी बना सकता है जिसमें कोई विशेष विशेषज्ञता की जरूरत नहीं है। इसलिए भारत की धर्मनिरपेक्षता विभिन्न राज्यों में मौजूद सैकड़ों दलों के माध्यम से दिखाई देती है। हम देखते हैं कि कई दलों का कई राज्यों में वर्चस्व है, लेकिन वे केंद्र में हावी नहीं हैं। इसलिए एक सफल लोकतंत्र के लिए दो पार्टी प्रणाली की आवश्यकता नहीं है। बहु दलीय प्रणाली वाला देश भी सफल हो सकता है जैसे हम भारत में देख सकते हैं।

Page : 193 , Block Name : प्रश्नावली